Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding non-availability of any large river or dam in Kutch, Gujarat.

श्री विनोद लखमशी चावड़ा (कच्छ) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं कच्छ की जनता की ओर से आपको बहुत सारी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं । क्योंकि कच्छ में जब भूकम्प आया था तो उस दुख की घड़ी में आप सहभागी बने थे और आपने कच्छ के पुनर्वसन में अपनी सेवा के माध्यम से योगदान दिया था । मैं पुन: आपको बधाई देता हूं ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से जल संसाधन मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । मेरा क्षेत्र कच्छ पानी के अकाल-दुश्काल से पहचाना जाता है । वहां बारिश न होने की वजह से बार-बार इसका सामना लोगों को करना पड़ता है । वहां न तो कोई पानी के बड़े स्रोत हैं, न ही बंध या सरोवर हैं और न ही नदियां हैं । मैं हमारे प्रधान मंत्री जी का आभारी हूं और उनको बधाई देना चाहता हूं कि गुजरात के मुख्य मंत्री के तौर पर उन्होंने कच्छ में सौ किलोमीटर तक पीने का पानी गांव और शहर तक पाइपलाइन के माध्यम से पहुंचाया । उन्हीं की इच्छाशक्ति के कारण नर्मदा कैनाल से सिंचाई का पानी आधे कच्छ में पहुंचा है । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि मेरे क्षेत्र गुजरात के कच्छ जिले में राजस्थान के पाली डिस्ट्रिक्ट से लूणी नामक नदी निकल कर सांचौर राजस्थान होते हुए कच्छ के बड़े रण में विसर्जित होती है । राजस्थान के आबू से बनारस नदी गुजरात के पालनपुर, दिशा, राधनपुर होकर कच्छ के रण में विसर्जित होती है । तीन-चार महीने तक इनका खारा पानी वहां रहता है । आपके माध्यम से मेरी जल संसाधन मंत्रालय से मांग है कि मीठे पानी के लिए बड़े से बड़ा जल सरोवर उपलब्ध करवाए जाने का काम किया जाए । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री देवजी एम. पटेल, श्री उदय प्रताप सिंह, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और डॉ. किरीट पी. सोलंकी को श्री विनोद लखमशी चावड़ा द्वारा उठाए

गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।